

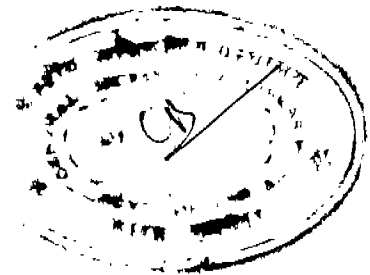


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 226]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 21, 1991/ज्यैष्ठ 31, 1913

No. 226]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 21, 1991/JYAISTHA 31, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जून, 1991

सा. का. नि. 312(अ):—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधि-  
नियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के  
साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए, नव मंगलौर पत्तन न्यास मंडल द्वारा बनाए गए और  
इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में नव मंगलौर पत्तन न्यास  
कर्मचारी (सेवा निवृत्ति पश्चात् अंगदायी बाह्य और अंतरंग चिकित्सा  
प्रसुविधा) विनियम, 1991 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की  
ता रीति को प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. पी. आर.-12012/3/91-पी. ई.]  
अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

## नव मंगलौर पत्तन न्यास

नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (सेवानिवृत्ति पश्चात् अंगदायी  
बाह्य और अंतरंग चिकित्सा प्रसुविधा) विनियम, 1991)

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा  
38 प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नव मंगलौर पत्तन न्यास  
बोर्ड, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 124 के अधीन अपेक्षित केन्द्रीय  
सरकार के अनुमोदन के अधीन एतद्वारा निम्नलिखित विनियम को  
निर्धारित करता है:—

1. संक्षिप्त नाम:—ये विनियम “नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी  
(सेवा निवृत्ति पश्चात् अंगदायी बाह्य और अंतरंग चिकित्सा प्रसुविधा)  
विनियम, 1991 कहलाएंगे।

2. लागू होने का क्षेत्र:

(क) ये अधिनियम निम्नलिखित पर लागू होंगे; (1) नव मंगलौर  
पत्तन न्यास के कर्मचारी और उनके पति/पत्नी, (2) नव  
मंगलौर पत्तन न्यास में 10 वर्ष की सतत सेवा पूरी करने के  
पश्चात् एवं परिवार पेंशन के हकदार कर्मचारी की मृत्यु पर  
उनके जीवित पति/पत्नी, और, (3) सेवा निवृत्त कर्मचारियों

की मृत्यु के पश्चात्, उनके जीवित पति/पत्नी पर अगलें वह सरकारी निजी उपक्रम में अर्जक रूप से नियुक्त नहीं है और/या उपक्रम की किसी चिकित्सा प्रसुविधा योजना के अंतर्गत स्वयं के रूप में या आश्रित के रूप में हिताधिकारी न हो।

(ख) इन विनियमों के अधीन" सेवानिवृत्त नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी का अर्थ निम्न है:—

- (1) सभी वर्गों के कर्मचारी यथा वर्ग I, वर्ग II, वर्ग III, और वर्ग IV, जो उन पर लागू होने वाले सेवा विनियमों के अधीन अधिविधिता की आयु पूरी करने पर नव मंगलौर पत्तन न्यास सेवा से निवृत्त होते हैं ;
  - (2) वर्ग I और वर्ग II के वे अधिकारी जो पचास (50) वर्ष की आयु पूरी करने पर अपेक्षित नोटिस या ऐसे नोटिस के एवज में वेतन एवं भत्ते देने पर सेवानिवृत्त होते हैं और वर्ग III और वर्ग IV के वे समस्त कर्मचारी जो पचास (55) वर्ष की आयु पूरी करने पर अपेक्षित नोटिस या ऐसे नोटिस के एवज में वेतन एवं भत्ते देने पर सेवा निवृत्त होते हैं या अपेक्षित नोटिस या ऐसे नोटिस के एवज में वेतन और भत्ते देने पर सेवानिवृत्त किए जाते हैं ;
  - (3) सभी वर्गों के वे कर्मचारी जो नव मंगलौर पत्तन न्यास में 15 वर्ष की सतत् सेवा करने के पश्चात् सेवा से चिकित्सीय रूप में अवधि मान्य घोषित किए जाते हैं।
- (ग) इन विनियमों के अधीन चिकित्सा हितलाभ प्राप्त करने के लिए सदस्य बनने का विकल्प सेवा निवृत्ति की तारीख से एक माह के भीतर दे देना चाहिए। उन मामलों में जहां कर्मचारी सेवा काल में 10 वर्ष की सतत् सेवा के पूरे करने या 15 वर्ष की सतत् सेवा पूरी करने पर सेवा से चिकित्सीय रूप में अवधिमान्य घोषित करने पर सेवानिवृत्त या मृत्यु को प्राप्त हो गया है ऐसे मामलों में सदस्यता का विकल्प सेवा निवृत्त कर्मचारी और या आश्रित को इन विनियमों के लागू होने या मृत्यु की तारीख से तीन माह के भीतर यथास्थिति दे देना चाहिए।

### 3. अंशदान

- (क) इन विनियमों के अधीन चिकित्सा हितलाभों का उपयोग करने के लिए सदस्य बना बिल्कुल स्वैच्छिक है। केवल सेवानिवृत्त कर्मचारी या मृत कर्मचारी के उत्तरजीवी पति या पत्नी अपने लिए और या अपने पति या पत्नी के लिए जीवनपर्यंत इन विनियमों के अधीन चिकित्सा हितलाभ उठाने के हकदार होंगे जो नीचे दी गई अंशदान की एक बार दी जाने वाली एकमुश्त राशि का भुगतान अपने सेवा निवृत्त हितलाभों में से या नकद रूप से करेंगे। बौद्ध समय-समय पर एक बार दी जाने वाली एकमुश्त अंशदान की राशि का निर्धारण होगा:—

कर्मचारी का वर्ग	अंशदान की एक मुश्त राशि
वर्ग-I	रु. 1,200/-
वर्ग-II	रु. 900/-
वर्ग-III	रु. 600/-
वर्ग-IV	रु. 300/-

टिप्पणी:—विनियम 2 तथा 3(i) के प्रयोजन के लिए, "वर्ग-I, वर्ग-II, वर्ग-III और वर्ग IV" पद का वही अर्थ है जो नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) विनियम 1980 के अन्वय में नियत है। फिर भी वास्तविक वर्गीकरण का निर्धारण कर्मचारी द्वारा सेवा निवृत्ति/मृत्यु/चिकित्सा अवधिमान्यता के समय पर मूल रूप से पद धारण के संदर्भ में किया जाएगा।

(ख) इन अधिनियमों के अधीन हितलाभ जब तक प्राप्त नहीं होंगे जब तक कि सेवा निवृत्त कर्मचारी या उसका पति या पत्नी और योग्य मृत कर्मचारी के मामले में उसके उत्तरजीवी पति या पत्नी अंशदान का निर्धारण एक बार दी जाने वाली एकमुश्त राशि की अवयवी नहीं कर देते।

(ग) अंशदान की एकमुश्त राशि एक बार अदा कर देने पर, किसी भी स्थिति में, लौटाई नहीं जाएगी।

### 4. पंजीकरण

(क) इन अधिनियमों के अधीन चिकित्सा सुविधाओं के लिए आवेदन पत्र को कर्मचारी या कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके पति या पत्नी को निर्धारित प्रोफार्मा-अनुबंध "क" (संलग्न) दो प्रतियों में भरकर विवरण की जांच के लिए उस विभागाध्यक्ष को भेजना जाना चाहिए जहां से कर्मचारी सेवा निवृत्त/अवधिमान्य हुआ हो। आवेदन-पत्र के साथ सेवा निवृत्त कर्मचारी तथा उसके पति या पत्नी की पासपोर्ट आकार की दो फोटो विभागाध्यक्ष को भेजी जानी चाहिए। इस प्राण्य का घोषणा-पत्र भी प्रोफार्मा अनुबंध "ग" (संलग्न) में भरकर भेजना चाहिए कि वह किसी भी सरकारी निजी उपक्रम में अर्जक रूप से नियुक्त नहीं है और/या वह उपक्रम की किसी चिकित्सा प्रसुविधा योजना के अंतर्गत हिताधिकारी नहीं है पूर्ववर्ती पैरा में उल्लिखित अंशदान की एकमुश्त राशि जमा किए जाने की रसीद भी भेजी जानी चाहिए। इस घोषणा-पत्र का नवीकरण प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को किया जाना चाहिए।

(ख) विभागाध्यक्ष द्वारा आवेदन-पत्र प्राप्त होने पर उनमें दिए गए विवरण की जांच विभाग में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर की जाएगी और तत्पश्चात् उसे मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भेजा जाएगा। विभागाध्यक्ष या उसके द्वारा नियुक्त अधिकारी को मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवेदन-पत्र भेजते समय आवेदन-पत्र पर निम्नलिखित रूप में प्रमाणित करना चाहिए:—

"मैंने इस आवेदन-पत्र के विवरणों का सत्यापन इस विभाग में उपलब्ध अभिलेखों के संदर्भ में कर लिया है और यह प्रमाणित किया जाता है कि आवेदक नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (सेवा निवृत्त पश्चात् अंशदायी बाध्य और अंतरंग चिकित्सा प्रसुविधा) विनियम 1990 के अधीन हितलाभ पाने का हकदार है।"

(ग) यदि ऐसा पाया जाता है कि आवेदक इन विनियमों के अधीन किसी भी हितलाभ का हकदार नहीं है तो संबंधित विभागाध्यक्ष द्वारा उसे लिखित रूप में भेजा जाना चाहिए।

(घ) यदि आवेदक इन विनियमों के अधीन हितलाभों का हकदार नहीं पाया जाता है तो उसके द्वारा जमा की गई एकमुश्त राशि, संबंधित विभागाध्यक्ष की सलाह के आधार पर, उसे लौटा दी जाएगी।

(ङ) विभागाध्यक्ष द्वारा भेजी गई मिफागिंग प्राप्त होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सेवानिवृत्त/अवधिमान्य कर्मचारी या उसके पति या पत्नी को यथामिति निर्धारित प्रोफार्मा-अनुबंध "ख" संलग्न-में पहचान पत्र जारी करेगा जिसमें उसका फोटो सम्यक् रूप से चिपका होगा। फोटोग्राफ की दूसरी प्रति को आवेदन-पत्र में अभिलेख के लिए चिपकाकर रखा जाना चाहिए। पहचान-पत्र की यदि कोई खानग होगी तो उसे सेवा निवृत्त कर्मचारी/पति या पत्नी द्वारा बहन करनी पड़ेगी।

(च) यदि सेवा निवृत्त कर्मचारी या कर्मचारी की मृत्यु के मामले में उसका पति या पत्नी सरकारी/निधि उपक्रम में अर्जक रूप नियोजित है और उपक्रम की किसी भी चिकित्सा प्रसुविधा

योजना के अन्तर्गत आते हैं या विनियमों के अधीन हितधिकारी को सस्य हो जाती है, तो इस सस्य की सूचना लिखित रूप में, सेवानिवृत्त कर्मचारी/पति या पत्नी या मृतक के निकट संबंधी को तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भेजी जानी चाहिए। ऐसी सूचना प्राप्त होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जारी किए गए पहचान-पत्र को रद्द करने की आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

(छ) एक माह के दौरान जारी/रद्द किए गए पहचान-पत्रों के संबंध में एक मासिक विवरणी विस्तीर्ण सप्ताहकार और मुख्य स्नेहा अधिकारी को उत्तरवर्ती माह की 10 तारीख या उससे पहले भेजी जानी चाहिए।

(ज) आयेदन-पत्र तथा एकमुश्त अंशदान की प्राप्ति पर नवमंगलौर पल्लन न्यास के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सेवा निवृत्त कर्मचारी या उत्तरवर्ती पति या पत्नी को, जैसी भी स्थिति हो एक पर्जीकरण मख्या देनी चाहिए।

5. हितनाश क्षेत्र :— अंशदान की अदायगी पर निम्नलिखित शर्तों के अधीन सेवा निवृत्त कर्मचारियों और उनके पति/पत्नियों या पति/पत्नियों को चिकित्सा देखभाल तथा उपचार सामान्य रूप से उसी पैमाने तथा शर्तों पर उपलब्ध कराया जाएगा जिन पर सेवारत कर्मचारियों को कराया जाता है :

(क) बाह्य चिकित्सा देखभाल और उपचार में वे विकृतिजन्य विकिरण चिकित्सा (एक्स-रे प्लेट नेने सहित) या परीक्षा के अन्य तरीके (ई.सी.जी. और अल्ट्रासाउंड स्कैनिंग सहित) शामिल हैं जिन्हें प्रमुख चिकित्सा अधिकारी आवश्यक समझता है और जिनके लिए उपकरण और सुविधाएं डिस्पेंसरी या अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग में उपलब्ध हैं। यदि मुख्य चिकित्सा अधिकारी आवश्यक समझे तो इनमें शारीरिक चिकित्सा, दन्त चिकित्सा, प्रतिबैरियम (ह्राइपरबेरिक) चिकित्सा भी सम्मिलित होंगी जिन्हें सुविधानुसार डिस्पेंसरी या अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग में प्रदान किया जा सके।

(ख) यदि किसी जांच के लिए बाहरी परामर्शवाता, एजेंसी, अस्पताल या नर्सिंग होम की सेवाओं की आवश्यकता होती है तो इस संबंध में किए गए समस्त खर्च की सेवा निवृत्त कर्मचारी या उसके पति या पत्नी को वहन करना होगा और उन्हें बाहरी परामर्शवाता, एजेंसी, अस्पताल या नर्सिंग होम को यथास्थिति स्वयं अदायगी करनी होगी।

(ग) सेवा निवृत्त कर्मचारी, उसके पति या या पत्नी को चिकित्सा जांच के दौरान यदि ऐसी आवश्यकता होती है कि उसे नव मंगलौर पल्लन न्यास अस्पताल में रखना पड़े तो अस्पताल में रखने की अवधि उतनी होनी चाहिए जितनी मुख्य चिकित्सा अधिकारी कम-से-कम आवश्यक समझे।

(घ) नव मंगलौर पल्लन न्यास अस्पताल में विहित औषधियां तथा इंजेक्शन अस्पताल के स्टॉक में उपलब्ध हैं। यदि नव मंगलौर पल्लन न्यास अस्पताल में कोई औषधि एवं इंजेक्शन अनुपलब्ध है तो प्रारंभ में उसे अपनी लागत पर खरीद लेना चाहिये। इस प्रकार खरीदी गई औषधियों एवं इंजेक्शनों की लागत की प्रतिपूर्ति लेखा अनुभाग द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित केश मीमो/रसीदी बिल प्रस्तुत करने पर की जाएगी।

(ङ) एक समय पर अधिक से अधिक दो (2) पलंग सेवा निवृत्त कर्मचारी और/या उनके पति या पत्नी के लिए आरक्षित रहेंगे और ये पलंग सेवारत कर्मचारियों और उनके आश्रितों पर अधिमान देकर सेवानिवृत्त कर्मचारियों और/या उनके पति या पत्नियों को आवंटित किए जाएंगे।

(च) यदि सेवा निवृत्त कर्मचारियों और/या उनके पति या पत्नियों के लिए आरक्षित पलंग खाली पड़े हैं तो खाली पड़े पलंग सेवारत कर्मचारियों और उनके आश्रितों को आवंटित किए जा सकते हैं।

(छ) यदि सेवारत कर्मचारी और/या उसके आश्रित को उपर्युक्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों और/या उनके पति या पत्नियों के लिए आरक्षित पलंग में से कोई पलंग दिया गया है, और बाद में यदि योग्य सेवा निवृत्त कर्मचारी और/या उसके पति या पत्नी को अस्पताल में भर्ती करना है तो इस आधार पर सेवारत कर्मचारी और/या उसके आश्रित को समय पूर्व छुट्टी नहीं दी जाएगी।

(ज) यदि नव मंगलौर पल्लन न्यास अस्पताल में भर्ती होने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारी या उनके पति या पत्नी की चिकित्सीय परिस्थितियां मुख्य चिकित्सा अधिकारी को राय में ऐसी हैं कि उनकी चिकित्सीय देखभाल या अस्पताल में भर्ती आपातकाल के रूप में की जानी है तो उपर्युक्त (5) में उल्लिखित सेवा निवृत्त कर्मचारियों और/या उनके पति या पत्नियों के लिए आरक्षित दो पलंगों के अलावा भी सेवा निवृत्त कर्मचारी और/या उसके पति या पत्नी को अस्पताल में भर्ती कर लेना चाहिए, लेकिन इस स्थिति में अस्पताल में ठहरने की अवधि मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई अवधि से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(झ) सेवा निवृत्त कर्मचारियों और/या उनके पति या पत्नियों को रोगी वाहन सेवा और न्यास के चिकित्सकों की चिकित्सीय परिचर्या घर पर उपलब्ध नहीं होगी।

6. विनियमों पर व्यय :— इन विनियमों के अधीन सेवानिवृत्त कर्मचारियों उनके पति या पत्नियों से अंशदान और अन्य प्रभारों के रूप में एकत्रित की गई धन राशि को नव मंगलौर पल्लन न्यास कर्मचारी कल्याण निधि में जमा किया जाएगा और चिकित्सा प्रसुविधाएं प्रदान करने के लिए व्यय भी इसी निधि से किया जाएगा।

7. शास्ति :—

(क) उपर्युक्त विनियम 4 (क) में उल्लिखित घोषणा-पत्र के नवीकर की अन्यथा रूप से जिम्मेदारी यथास्थिति सेवानिवृत्त कर्मचारी उसके पति या या पत्नी की है।

(ख) इन विनियमों के अधीन एक बार एक मुश्त अदायगी वाली योजना के अंतर्गत प्रसुविधा प्राप्त करने वाला सेवा निवृत्त कर्मचारी/उसका पति या पत्नी/योग्य मृत कर्मचारी का पति या पत्नी यदि, जिस अवधि में उन्होंने उपचार को प्रसुविधा का लाभ उठाया है, बाद में उस अवधि में सरकारी/निजी उपक्रम में अग्रक रूप से नियोजित पाये जाते हैं तो उनसे बाहरी व्यक्तियों की वर में समस्त चिकित्सा उपचार को लागत 5 प्रतिशत जूमति सहित वसूल की जाएगी और आगे स वे इन विनियमों के अधीन प्रसुविधा उठाने का अधिकार खो देंगे।

8. विधिध :—

(क) मुख्य चिकित्सा अधिकारी यह सुनिश्चित करेगा कि चिकित्सा सुविधाएं केवल उन्हीं लोगों को प्रदान की जा रही हैं जिनका नाम निर्देशन पहचान पत्रों में किया गया है।

(ख) मुख्य चिकित्सा अधिकारी अनुबंध "क" (संलग्न) में दिखाए गए रूप में एक पृथक रजिस्टर रखेगा जिसमें इन विनियमों के अधीन चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों का विवरण दिया जाएगा और इस रजिस्टर को विस्तार सप्ताहकार और मुख्य लेखा अधिकारी या उनके द्वारा नामित अधिकारी को मासिक जांच के लिए उपलब्ध किया जाएगा।

9. निर्वचन :— जब इन विनियमों के निर्वचन के संबंध में कोई संदेह उत्पन्न होगा तो ऐसे मामले को अध्यक्ष नव मंगलौर पल्लन न्यास को भेजा जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम होगा।

अनुबंध--'क'

## नव मंगलौर पत्तन न्यास

नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारियों (अंशदायी बहिरंग और अंतरंग चिकित्सा लाभ—सेवा

नियुक्ति के बाव) विनियमों, 1990 के अन्तर्गत

1. सेवा निवृत्त कर्मचारी का नाम  
(बड़े-बड़े अक्षरों में)
2. (क) पदनाम और पद की श्रेणी  
(ख) स्टाफ नं./पी. पी. ओ. नं.  
(ग) विभाग
- 3 तारीख (1) नियुक्ति  
(2) सेवा निवृत्ती
4. अन्तम वेतन
5. जीवित पत्नी/पति का नाम

नाम	सम्बन्ध	जन्म तिथि	वर्तमान आयु
1.			
2.			

6. आवेदक का नाम

7. स्थायी पता

(आवेदक के हस्ताक्षर)

टिप्पणी :—इन विनियमों में शामिल होने वाले सदस्यों के दो  
पासपोर्ट साइज के फोटो अवश्य लगाये जाने हैं।

## नव मंगलौर पत्तन न्यास

नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारियों (अंशदायी बहिरंग और अंतरंग चिकित्सा लाभ—सेवा  
निवृत्ति के पश्चात्) विनियम, 1990

1. सेवा निवृत्त, कर्मचारी का नाम
2. जीवित पत्नी/पति का नाम
3. सेवा निवृत्त के समय पद,  
विभाग का नाम और स्टाफ नं. पी. पी. ओ. नं. सहित
4. सेवा निवृत्ति की तारीख
5. अन्तिम वेतन
6. अंशदान की दर
7. पहचान का चिह्न (1) (2)
8. भुगतान का विवरण :  
(1)  
(2)  
(3)
9. सेवा निवृत्त कर्मचारी/आवेदक के हस्ताक्षर
10. विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर रखड़ की मोहर सहित

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

अनुबंध—“ग”

## नव मंगलौर पत्तन न्यास

नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (सेवानिवृत्ति पश्चात् अंशदायी बाह्य और अंतर्गंग चिकित्सीय प्रमुविधा) विनियम, 1990 का सेवा निवृत्त कर्मचारियों द्वारा सदस्य बनने समय और तत्पश्चात् प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को दिया जाने वाला घोषणा-पत्र

1. मैं, अधोहस्ताक्षरकर्ता ..... स्टाफ सं. .... पदनाम ..... विभाग ..... में बोर्ड की सेवा में तारीख ..... को सेवा निवृत्त हुआ था। मैं एतद्वारा यह घोषित करता हूँ कि मैं किसी सरकारी अथवा निजी क्षेत्रक उपक्रम में नियोजित हूँ/नहीं हूँ और मैं ऐसे किसी नियोजना द्वारा संचालित चिकित्सा प्रमुविधा का हिताधिकारी हूँ/नहीं हूँ।

2. (उन व्यक्तियों के लिए जो सरकारी अथवा निजी क्षेत्र में अर्जक रूप से नियुक्त हैं)

मैं इस पद पर ..... को नियुक्त हुआ था और मेरी नियुक्ति की अवधि ..... से ..... तक है। मैं समझता हूँ कि मैं इस नियुक्ति के दौरान बोर्ड के अस्पताल में निःशुल्क परामर्श, निःशुल्क औषधि और निःशुल्क जांच-पड़ताल के लिए हकदार नहीं हूँ। जैसाकि नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के पश्चात् अंशदायी बाह्य और अंतर्गंग चिकित्सा प्रमुविधा) विनियम, 1990 के अंतर्गत प्रावधान हैं।

हस्ताक्षर .....

पहचान पत्र सं. ....

..... द्वारा जारी

अनुबंध—“घ”

## नव मंगलौर पत्तन न्यास

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नव मंगलौर पत्तन न्यास कर्मचारियों के (अंशदायी बहिरंग और अंतर्गंग चिकित्सा लाभ—सेवा निवृत्ति के बाद) विनियमों, 1990 के अंतर्गत रखे जाने वाले रजिस्टर का फार्म

सेवा निवृत्त कर्मचारी का नाम	सेवा निवृत्त कर्मचारी सहित परिवार के सदस्यों की संख्या	पदनाम स्टाफ नं. और विभाग का नाम	वित्तीय सलाहकार/मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पास जमा अंशदान					कैफियत
			अवधि से ..... तक	राशि रुपये	भुगतान की तारीख	रोकड़ रसीद संख्या	अंशदान प्राप्त करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd June, 1991

G.S.R. 312 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124, read with sub-Section (1) of Section 132 of the Major Ports Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Govt. hereby approves the New Mangalore Port Trust Employees' (Contributory outdoor and indoor Medical benefit after retirement) Regulations, 1991 made by the Board of Trustees for the Port of New Mangalore and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulation shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. PR/12012/3/91—PE-II]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

## SCHEDULE

## NEW MANGALORE PORT TRUST

## NEW MANGALORE PORT TRUST EMPLOYEES' (CONTRIBUTORY OUTDOOR AND INDOOR MEDICAL BENEFIT AFTER RETIREMENT) REGULATIONS, 1991.

In exercise of the powers conferred under Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the New Mangalore Port Trust Board hereby makes the following regulations, subject to approval of Central Government as required under Section 124 of the aforesaid Act:

## 1. Short title:

These Regulations may be called the 'New Mangalore Port Trust Employees' (Contributory Outdoor and Indoor Medical Benefit after Retirement) Regulations, 1991.

## 2. Extent of application:

(a) These Regulations are applicable to (i) retired New Mangalore Port Trust employees and to their spouses, (ii) surviving spouses of the employees who die while in service after completion of 10 years of continuous service in the New Mangalore Port Trust, and is eligible for family pension and (iii) to surviving spouses of retired employees who die after retirement provided he or she is not gainfully employed

in the Public/Private Undertaking and/or covered by any medical benefit scheme of the undertaking, either for himself or as dependent.

(b) "Retired New Mangalore Port Trust Employees" in relation to these Regulations means:

(i) employees of all classes, viz. Class I, Class II, Class III and Class IV, who retire from the New Mangalore Port Trust service, on attaining the age of superannuation under the service regulations applicable to them;

(ii) Class I and Class II Officers who retire by giving the requisite notice, or pay and allowances in lieu of such notice, after attaining the age of fifty (50) years and all Class III and Class IV employees who retire by giving the requisite notice of pay and allowances in lieu of such notice, or are retired by giving the requisite notice or pay and allowances in lieu of such notice, after attaining the age of fifty five (55) years.

(iii) Employees irrespective of their class, who were medically invalidated from service after completion of 15 years of continuous service in New Mangalore Port Trust.

(c) The option to enroll as members for obtaining medical benefits under these Regulations should be given within a month of the date of retirement. In the case of those who have already retired or died while in service after completion of 10 years of continuous service or medically invalidated from service after completion of 15 years of continuous service such option should be exercised by the retired employee and/or dependant within three (3) months from the date of these regulations come into effect or death as the case may be.

## 3. Contribution. :

(a) To become member for availing medical benefits under these Regulations is purely voluntary. Only those retired employees or surviving spouses of deceased employees who make the payment either by deduction from their retirement benefits or in cash, of the one time lumpsum contribution set out below, are eligible for availing medical benefits under these Regulations for themselves and/or their spouses

for life. The amount of one time lumpsum contribution will be determined by the Board from time to time:—

Class of employees	Amount of lump sum contribution
	Rs.
Class I	1,200
Class II	900
Class III	600
Class IV	300

Note: For the purpose of Regulation 2 and 3(1), the expression "Class I, Class II, Class III and Class IV" has the same meaning as respectively assigned to it in the New Mangalore Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1980. The actual classification will, however, be determined with reference to the post substantially held by the employee at the time of his/her retirement/death/medical invalidation.

(b) The benefit under these Regulations would not be admissible until a retired employee or his/her spouse and in the case of an eligible deceased employee, his/her surviving spouse has paid prescribed one time lumpsum contribution.

(c) The lumpsum contribution once paid, will not be refunded on any ground whatsoever.

#### 4. Registration:

(a) The application in the prescribed proforma Annexure 'A' (Attached)—for the medical facilities under these Regulations should be made in duplicate to the Head of Department from where the employee retired/invalidated or in case of his/her death, by his/her spouse, for verification of the particulars mentioned therein. While submitting the application, 2 copies of pass-port size photographs of the retired employee his spouse should also be sent to the Head of Department along with a declaration in the proforma Annexure 'C' (attached) that he/she is not gainfully employed in any public/private undertaking and/or covered by any medical benefit scheme of the undertaking and the receipt of having paid the lumpsum contribution referred to in preceding para. This declaration should be renewed every year on the 1st of April.

(b) On receipt of the application of the Head of Department the contents of the application will be scrutinised with reference to records available in that department and forwarded to the Chief Medical Officer. The Head of Department or an Officer appointed by him, while forwarding the application to the Chief Medical Officer, should certify on the application as detailed hereunder:

"I have personally verified the contents of the application with reference to records available with this department and it is certified that the applicant is eligible for the benefit under the New Mangalore Port Trust Employees' (Contributory Outdoor and Indoor Medical Benefit After Retirement) Regulations, 1990."

(c) In case it is found that the applicant not eligible for any benefit under these Regulations, he should be intimated so, in writing, by the concerned Head of Department.

(d) If the applicant is found not eligible for benefit under these Regulations the lumpsum payment made by him will be refunded to him on the basis of the advice of the respective Head of the Department.

(e) On receipt of the recommendations from the Head of the Department, the Chief Medical Officer will issue to the retired/invalid employee or spouse as the case may be, an identity card in the prescribed proforma Annexure 'B' (attached)—with a copy of photograph duly pasted on it. The second copy of the photograph should be pasted on the application and kept for records. The cost of the identity card, if any, should be borne by the retired employee/spouse.

(f) If the retired employee or his spouse in case of death of employee is gainfully employed in public/private undertaking and covered by any medical benefit scheme of the undertaking, or on the death of the beneficiary under these Regulations, the fact should be intimated to the Chief Medical Officer immediately in writing by the retired employee/spouse or by the next kin of the deceased, as the case may be. On receipt of such information, CMO should take necessary action to cancel the identity card issued to him/her.

(g) A monthly return in respect of such identity cards issued/cancelled during the month, should be sent to the Financial Adviser and Chief



Accounts Officer on or before 10th of the succeeding month.

(h) On receipt of the application and the lumpsum contribution the Chief Medical Officer of the New Mangalore Port Trust should grant the retired employee or surviving spouse, as the case may be, a registration number.

#### 5. Scope:

On payment of contribution, the medical attention and treatment will be made available to retired employees and their spouses on the same scale and conditions as is normally admissible to employees in service subject to the following conditions:

(a) Outdoor Medical attendance and treatment includes such as pathological, bacteriological, radiological (including taking of X Ray Plates) or other methods of examination (including ECG and ultrasound scanning) as the Chief Medical Officer may consider necessary and to the extent that the equipment and facilities are available at the Dispensary or outpatient department of the Hospital. It will, if so considered necessary, by Chief Medical Officer, also include such physical therapy dental treatment, hyperbaric treatment as may conveniently be given at the dispensary or outpatient department of the hospital.

(b) If, for any investigations, reference is required to an outside consultant, agency, hospital or a nursing home, the entire charges therefor should be borne by the retired employee his/her spouse and paid directly by him/her to the outside the consultant agency, hospital, Nursing Home, as the case may be.

(c) If in the course of medical examination of a retired employee, his/her spouse an emergency arise necessitating hospitalisation in the New Mangalore Port Trust Hospital, such hospitalisation should be limited to the minimum period considered necessary by the Chief Medical Officer.

(d) Such medicines and injections as may be prescribed at the New Mangalore Port Trust Hospital will be supplied without any charge if they are available from the stock of medicines and injections maintained at the hospital. If any medicines and injections are not available at the New Mangalore Port Trust hospital, the same should be purchased by him/her at

his/her own cost initially and he/she will be reimbursed by the Accounts Deptt., the cost involved on production of the cash memo/receipted bill, duly certified by the Chief Medical Officer.

(e) A maximum of two (2) beds at a time till be reserved for retired employees and/or spouses and these beds will be allotted to retired employees and/or spouses in preference to serving employees and their dependants.

(f) If all or any of the beds reserved for retired employees and/or spouses are not occupied, the unoccupied beds may be allotted to serving employees and their dependants.

(g) A serving employee and/or his dependant who is allotted a bed from out of the aforesaid 2 beds reserved for retired employees and/or spouses will not be discharged prematurely on the ground that an eligible retired employee and/or his spouse subsequently requires admission.

(h) If the medical circumstances of a retired employee or his spouse seeking admission into the New Mangalore Port Trust Hospital are such that, in the judgement of the Chief Medical Officer, he or she needs medical attention or hospitalisation as an emergency, the retired employee and/or his/her spouse may be given admission even in excess of the two beds reserved for retired employees and/or spouses, referred to in (f) above, but such hospitalisation should be limited to the minimum period considered necessary by the Chief Medical Officer.

(i) Ambulance service and medical attendance of Trust's Doctors at the residence will not be available to retired employees/spouses.

#### 6. Expenditure on the Regulations:

The contribution and other charges collected from retired employees/their spouses under these Regulations will be credited to the New Mangalore Port Trust Employees' Welfare Fund and the expenditure on providing the medical benefit will also be met from that Fund.

#### 7. Penalty:

(a) The renewal of the declaration referred to in Regulation 4(a) above is the sole responsibility of the retired employee/his spouse as the case may be.

(b) If a retired employee/his spouse/spouse of the eligible deceased employee who have enjoyed benefit under these Regulations under one time lumpsum payment is subsequently found to be gainfully employed in the public/private undertaking during the period on which he/she had availed the treatment, the cost of full medical treatment at outsiders rate with 5% penalty charges will be levied, and collected from them and they will forfeit the right to avail further benefit under these Regulations.

#### 8. Miscellaneous:

(a) The C.M.O. will ensure that the medical facilities are extended only to the persons enumerated in the identity cards.

(b) The Chief Medical Officer is required to maintain a separate register in the form shown in Annexure 'D' (attached) showing therein the person/persons to whom the medical facilities are extended under these Regulations and this register will be made available for periodical inspection by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer or by an Officer nominated by the Financial Adviser and Chief Accounts Officer.

#### 9. Interpretation:

When a doubt arises as to the interpretation of these Regulations the matter will be referred to the Chairman, New Mangalore Port Trust, whose decision shall be final.

### ANNEXURE 'A'

#### NEW MANGALORE PORT TRUST

Application form for Joining the New Mangalore Port Trust Employees' (Contributory outdoor and Indoor Medical Benefit After Retirement) Regulations, 1990

1. Name of the retired employee (In Block Letters.

2. (a) Designation & Class of Post.

(b) Staff No./P.P.O. No.

(c) Department.

3. Date—(i) Appointment

(ii) Retirement

4. Last Pay Drawn

5. Name of surviving wife/husband

Name	Relation	Date of Birth	Present age
(i)			
(ii)			

6. Name of the applicant

7. Permanent address

(Signature of the Applicant)

Note : Two copies of the Passport size photographs of the members joining these Regulations must accompany.

## ANNEXURE 'B'

## NEW MANGALORE PORT TRUST

New Mangalore Port Trust Employees' (Contributory Outdoor and Indoor Medical Benefit after Retirement) Regulations, 1990.

Identity Card No.....

1. Name of the retired employee:
2. Name of the surviving wife/husband :
3. Designation on the date of retirement with name of department and staff No. PPO No.
4. Date of Retirement
5. Last Pay Drawn
6. Rate of Contribution:
7. Marks of identification:

(i)

(ii)

8. Particulars of payment

(i)

(ii)

(iii)

9. Signature of Retired employee/Applicant.....

10. Signature of the Head of the Department.....  
with Rubber Stamp

## ANNEXURE 'C'

## NEW MANGALORE PORT TRUST

Declaration to be filled by retired employees at the time of joining the New Mangalore Port Trust Employees' (Contributory Outdoor and Indoor Medical Benefit after Retirement) Regulations 1990 and thereafter on 1st of April every year.

1. I, the undersigned.....Staff No.....Designation.....  
of.....Department retired from the service of the Board with effect from.....  
do hereby declare that I am/I am not employed in any public or private Sector Undertaking  
and I am/I am not covered by any medical benefit scheme by such Employer.

2. (In the case of those who are employed gainfully in public or private sector job)

I took up this job on.....and my term of appointment is for a period from.....to  
.....I understand that I am not entitled to free consultation, free medicines, free investigation  
from the Board's Hospital for duration of this appointment as per the New Mangalore Port Trust  
Employees' (Contributory Outdoor and Indoor Medical Benefit after Retirement) Regulations, 1990.

Signature .....

Identity Card No.....

Issued by .....

## ANNEXURE 'D'

## NEW MANGALORE PORT TRUST

Form of Register to be maintained under the New Mangalore Port Trust employees' (Contributory outdoor and indoor Medical Benefit after Retirement) Regulations, 1990 by the Trust's C.M.O.

Name of the retired employee	No. of Family members including the retired employee	Designation, Staff No. and name of Department	Contribution deposited with the	
			for the period	Amount Rs.
			from.....	to.....
1	2	3	4	5

FA&CAO/C.M.O.

Date of payment	Cash receipt No.	Signature of the officer collecting the Contribution	Remarks
6	7	8	9